पाठ-7

परमेश्वर आपको बचाएगा

परमेश्वर के बारे में यह सीखें :

परमेश्वर प्रत्येक बुरी बातों से छुटकारा देता है।
परमेश्वर लोगों को बचाना चाहता है।
जितने परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं वह उन सबको बचाता और उनका उद्धार करता है। परमेश्वर आपको भी बचाएगा।

इसे अपनी बाइबल में से पढ़ें
इसे पांच बार ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें :

"परमेश्वर ने नूह से कहा.....एक जहाज़ बना ले.....मैं आप पृथ्वी पर जल प्रलय करके सब प्राणियों का नाश करने पर हूँ, परन्तु तेरे संग मैं वाचा बांधता हूँ कि तुझे तेरे परिवार सहित..... जहाज़ में सुरक्षित रखूँगा।" उत्पत्ति 6:13, 14, 17, 18, 19.

क्या आप यह कर सकते हैं ?

रिक्त स्थानों में सही अक्षर लिखकर पूरा वाक्य बनाएँ।

1. परमेश्वर उन सबको ब.....है जो उसकी आ.....मानते हैं।
2. परमेश्वर ने नूह से कहा कि एक ज.....बना।
3. परमेश्वर प्रत्येक.....बात से छुटकारा देगा।

उत्तर

1. बचाता, आज्ञा 2. जहाज़ 3. बुरी

आपके सीखने के लिए शब्द

नूह ने जो भारी नौका (बड़ी नाव) बनाई थी उसका नाम जहाज़ है। आज्ञा मानना वह है जो कोई आपसे कुछ करने को कहे और आप उसे करें। जल प्रलय का अर्थ है वह जल जिसने समस्त पृथ्वी को ढक लिया था और समस्त प्राणियों का नाश किया।

परमेश्वर प्रत्येक बुरी बात से छुटकारा देता है। *चिन्ह* के सब शब्दों को रेखांकित करें। जब आप अच्छे आलुओं में सड़े आलू पाते हैं तब आप क्या करेंगे। आप सड़े आलुओं को निकाल कर फेंक देंगे और अच्छे आलुओं को बचा लेंगे। यदि आप ऐसा नहीं करते तो सड़े आलू अच्छे आलुओं को भी खराब कर देंगे।

एक बार परमेश्वर को भी ऐसा ही करना पड़ा।

इसके पहिले कि समस्त संसार बुरा हो जाता परमेश्वर को अपने संसार (सम्पूर्ण जगत) को शुद्ध करना पड़ा। उसे सब तरह के झगड़ों, मार-पीट, हत्या से छुटकारा देना पड़ा। झूठ बोलना, धोखा देना, गालियाँ बकना और अन्य प्रकार के पापों से भी। *परमेश्वर एक नया, शुद्ध किया हुआ संसार चाहता था।* उसमें जितने भी लोग हों सब अच्छे (भले) हों।

परमेश्वर लोगों को बचाना चाहता है

हनोक के स्वर्ग पर उठा लिए जाने के बाद लोग और अधिक दुष्ट होते गये। वे हर समय बुरे गन्दे काम किया करते थे। समस्त संसार में केवल नूह और उसका परिवार ही अच्छे (धर्मी) जन बचे थे। *परमेश्वर ने नूह को अपना सहायक (प्रचारक) बनाया।* परमेश्वर ने नूह स कहा, "एक जहाज़ बना। मैं जल प्रलय भेजने पर हूँ उस जहाज़ के लोग (जन) बच जाएंगे।" परमेश्वर ने लोगों से प्रेम किया और वह उनको बचाना चाहता था।

जल पलय के बारे में लागों को बताने के लिए उसके पास नूह था। नूह ने उनको जो कुछ बताया उस पर केवल नूह के परिवार ने विश्वास किया। नूह की पत्नी और उसके तीनों पुत्र और उनकी तीनों पत्नियों ने परमेश्वर पर विश्वास किया और नूह को जहाज़ बनाने में सहायता दी।

जब नूह जहाज बना रहा था तो लोग उसकी हसी उड़ाते थे। उन्होंने कहा "तू मूख है जो परमेश्वर की आज्ञा मानता है।" नूह ने लोगों से कहा कि उन्ह भी परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिए। लाग तो उस पर हसते और हसते जाते थे। जब जहाज बन कर तैयार हो गया तो परमेश्वर न नूह से कहा कि उसमें भोजन सामग्री ले आ। मनुष्यों ने लिए और जानवरों के लिए भिन्न-भिन्न भोजन सामग्री उसमें रखने को कहा। परमेश्वर जानवरों को भी बचाना चाहता था। परमेश्वर ने जो बात उनको करने के लिए कही थी, नूह और उसके परिवार ने वैसा ही किया।

जो परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं वह उन सबको बचाता है

प्रत्येक स्थान से हर एक जाति के जोड़े-जोड़े से जानवर और पक्षी आए। बड़े-बड़े हाथी जमीन को रौंदते हुए आए। शोर मचाने वाले बन्दर भी हूप-हूप करते हुए आए। बड़े-बड़े पक्षी भी चांव-चांव करते हुए आए। छोटे-छोटे पक्षी उड़ते हुए जहाज़ के अन्दर चले गए। कुत्ते और बिल्ली एक साथ दौड़ते हुए जहाज़ में गए।

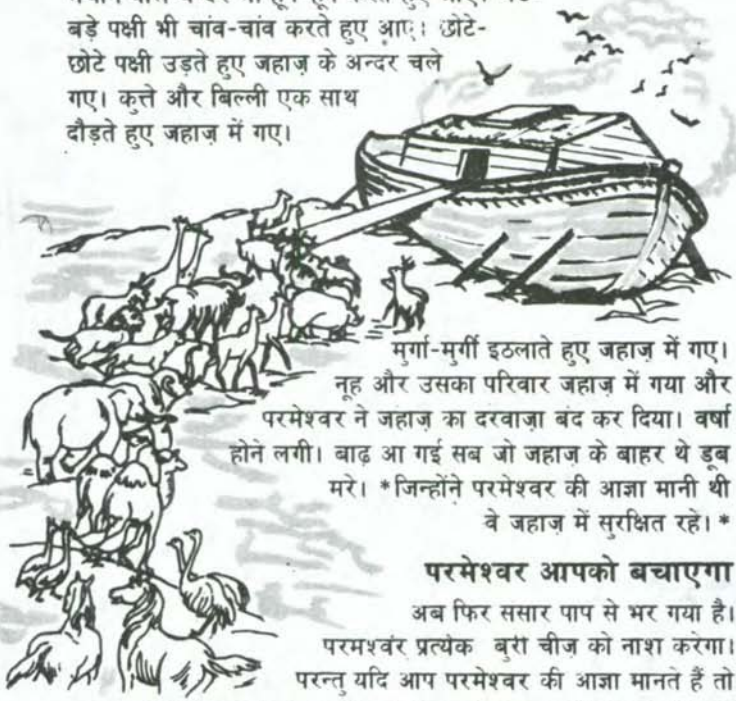

मुर्गा-मुर्गी इठलाते हुए जहाज़ में गए। नूह और उसका परिवार जहाज़ में गया और परमेश्वर ने जहाज़ का दरवाज़ा बंद कर दिया। वर्षा होने लगी। बाढ़ आ गई सब जो जहाज के बाहर थे डूब मरे। *जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानी थी वे जहाज़ में सुरक्षित रहे।*

परमेश्वर आपको बचाएगा

अब फिर ससार पाप से भर गया है। परमश्वर प्रत्येक बुरी चीज़ को नाश करेगा। परन्तु यदि आप परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं तो वह आपको बचा लेगा। परमेश्वर से अपने आपको और अपने परिवार को बचान के लिए प्रार्थना करें।

प्रार्थना

कृपा करके मेरे परिवार और मित्रों की सहायता करें। आप पर विश्वास करके पाप से बच जाएँ। उन सबने जिस प्रकार किया उसी प्रकार आज्ञा मानने में हमारी सहायता करें जिन्होंने जहाज़ को देखा और उसमें प्रवेश किया।